No. of Printed Pages : 4

MESE-058

00111

M.Ed. (MASTER OF EDUCATION)

Term-End Examination

December, 2018

MESE-058 : EDUCATIONAL AND VOCATIONAL GUIDANCE AND COUNSELLING

Time : 3 hours *Maximum Weightage : 70%*

*Note : (i) All questions are **compulsory**.*

*(ii) All questions carry **equal** weightage.*

1. Answer the following question in about 600 words.

Analyse the sociological and philosophical bases of guidance with suitable examples.

OR

Explain the nature and concept of Counselling. Discuss the important principles and assumptions of counselling practice in schools.

2. Answer the following question in about 600 words.

Throw light on the non-testing techniques. What technique should a teacher adopt for the placement of the students ?

OR

Discuss the characteristics of a good test. How can reliability of a test be increased ? Explain.

3. Answer **any four** of the following in about **150** words each :

(a) Characteristics of a qualitative inquiry.

(b) Characteristics of a good case study.

(c) Misconceptions about counselling.

(d) Emotional stress prevention.

(e) Role and functions of a school counsellor.

(f) Suggested guidance activities for senior secondary stage.

4. Answer the following question in about **600** words.

Currently Guidance services in schools are practiced in integration with the curriculum. You, as a teacher, analyse various aspects of a guidance oriented secondary and senior secondary curriculum.

एम.ई.एस.ई.-058

एम.एड. (शिक्षा में स्नातकोत्तर)

सत्रांत परीक्षा

दिसंबर, 2018

एम.ई.एस.ई.-058 : शैक्षिक एवं व्यावसायिक मार्गदर्शन और परामर्श

समय : 3 घण्टे *अधिकतम भारिता : 70%*

नोट : *(i)* ***सभी** प्रश्न **अनिवार्य** हैं।*

(ii) ***सभी** प्रश्नों की भारिता **समान** है।*

1. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए।

मार्गदर्शन के समाजशास्त्रीय और दार्शनिक आधारों का यथोचित उदाहरणों द्वारा विश्लेषण कीजिए।

अथवा

परामर्श की प्रकृति और अवधारणा की व्याख्या कीजिए। विद्यालयों में संचालित की जाने वाली परामर्श पद्धतियों के महत्वपूर्ण सिद्धान्तों और मान्यताओं (Assumptions) की चर्चा कीजिए।

2. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए।

गैर-परीक्षण (Non-Testing) तकनीकों पर प्रकाश डालिए। विद्यार्थियों के स्थानन (Placement) के लिए एक शिक्षक को कौन सी तकनीक को अपनाना चाहिए?

अथवा

एक अच्छे परीक्षण की विशेषताओं की चर्चा कीजिए। किसी परीक्षण की विश्वसनीयता किस प्रकार बढ़ाई जा सकती है? व्याख्या कीजिए।

3. निम्नलिखित में से **किन्हीं चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक उत्तर लगभग 150 शब्दों में होना चाहिए :
   (a) गुणात्मक जाँच (Qualitative inquiry) की विशेषतायें।
   (b) एक अच्छे वृत्त अध्ययन (Case Study) की विशेषतायें।
   (c) परामर्श के बारे में भ्रांतियाँ (Misconceptions)।
   (d) संवेगात्मक दबाव (Stress) निवारण (Prevention)।
   (e) विद्यालय परामर्शदाता की भूमिका एवं प्रकार्य।
   (f) वरिष्ठ माध्यमिक स्तर के लिए सुझाई गई मार्गदर्शन क्रियायें।

4. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए। आजकल विद्यालयों में मार्गदर्शन सेवायें पाठ्यचर्या के साथ समेकित रूप में व्यवहार (प्रयोग) में लाई जा रही हैं। एक शिक्षक के रूप में आप मार्गदर्शन-अभिमुख माध्यमिक एवं वरिष्ठ माध्यमिक पाठ्यचर्या के विविध पहलुओं का विश्लेषण कीजिए।